→ प्राथमिक मापन - एक ऐसा माप जो सीधे प्रेक्षण से लिया जाए। प्राथमिक मापन कहते है, इस विधि मे माप के प्रेक्षण का रूपान्तरण नही किया जा सकता है। इसमे समवेन्द्रो की अपनी नाडियो के रूप मे ग्रहण करता है।

→ द्वितिय मापन - ऐसी माप जिनमें माप की संवेद का रूपान्तरण केवल एक बार ही हो द्वितिय मापन कहते है। इसमे जब किसी प्रचलन का मापन करते है तो इसके परिवर्तन को लम्बाई के परिवर्तन मे रूपान्तिरत करते है।

प्रचाल $\frac{\text{प्रथम संवेदन}}{\text{तापान्तरण}}$ रूपान्तक $\frac{\text{द्वितीय संवेदन}}{\text{लम्बाई अन्तर}}$ प्रे

— तृतीय मापन : इसके अन्तर्गत मापे जाने वाले प्रचाल तथा प्रेक्षणकर्ता के मध्य संवेदनो का दो बार रूपान्तरण होता है। विद्युत टैकोमीटर पायरोमीटर के संवेदनो का दो बार रूपान्तरण होता है।

Scanned with CamScanner